शरीफ़ हुवा, एक बुज़ुर्ग ने ख़्वाब में देखा कि आस्मान के दरवाज़े खुले हैं और येह आवाज़ आ रही है : "ख़्वाजा फ़रीदुल हक़, हक़ से जा मिले और **अल्लाह** पाक आप से ख़ुश है।" **अल्लाहु रब्बुल इज़्ज़त की उन पर रहमत हो और उन के सदक़े हमारी बे हिसाब मग़्फ़िरत हो।**

اٰمِیْن بِجَاہِ النَّبِیِّ الْاَمِیْن صَلَّی اللہُ عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم

हो ख़ैर ग़रीब नवाज़ी की, भरो झोली ग़रीब नियाज़ी की

होती हैं यहीं मंगतों की गुज़र, आबाद रहे तेरा पाक पतन

صَلُّوا عَلَی الْحَبِیْب صَلَّی اللہُ عَلٰی مُحَمَّد

फ़ेहरिस

उ़न्वान	सफ़ह़ा	उ़न्वान	सफ़ह़ा
दुरूद शरीफ़ की फ़ज़ीलत	1	जादूगर से नजात	10
नमाज़ी बनाने का अ़जीब त़रीक़ा	1	सज्दों की कसरत	12
तआ़रुफ़	2	चार चीज़ें	12
गन्जे शकर कहने की वज्ह	3	मैं जोड़ने वाला हूं	12
नेक मां की बरकतें	4	हाथ चूमने की बरकत	13
मुलतान शरीफ़ में आमद	4	अमीरे अहले सुन्नत के हाथों पर एक दहरिये का क़बूले इस्लाम	13
अनार के एक दाने का कमाल	5		
जन्नती दाना	5	इत्तिबाए शरीअ़त की तल्क़ीन	15
बरकत का मत़लब	6	आदाबे ज़िन्दगी	16
बरतन धो कर पीने के तिब्बी फ़वाइद	6	इ़बादात	16
		दिल की बात जान ली	17
मुरीद होने का वाक़िआ़	7	त़रीक़ए बैअ़त	17
शैत़ान क़ाबू न पा सकेगा	9	सज्दे की ह़ालत में इन्तिक़ाल शरीफ़	18
शोहरत और नामो नुमूद से नफ़रत	10	फ़रीदुल हक़, हक़ से जा मिले	18